PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Bhaskar, Faridabad
Friday 21st February 2014, Page: 6
Width: 12.84 cms, Height: 13.52 cms, a4, Ref: pmin.2014-02-21.50.81

एक्सपायर होने वाली वैक्सीन का 20 साल का स्टॉक खरीदा

भास्कर न्यूज | रायपुर

मेडिकल कॉलेजों और सरकारी अस्पतालों में सप्लाई के लिए सीजीएमएससी (छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कॉर्पोरेशन लिमिटेड) ने करीब साढ़े चार करोड़ रुपए में एंटी टिटनेस वैक्सीन की 26 हजार वायल(डोज)खरीद ली। हमारी पड़ताल में पता चला कि पूरे राज्य में पिछले आठ माह में सिर्फ 629 वैक्सीन की जरूरत पड़ी। अगर इसे औसत मान लिया जाए तो जितनी डोज खरीदी गई है, उतने को खत्म होने में ही 20 साल लग जाएंगे। जबकि वैक्सीन दो साल में एक्सपायरी हो जाएगी। यानी सरकारी पैसा बर्बाद।

सीजीएमएसी ने पिछले साल जून में 26,133 एंटी टिटनेस वैक्सीन इम्यूनोग्लोबूलिन की खरीदी का ऑर्डर जारी किया था। जुलाई में वैक्सीन का स्टॉक कॉर्पोरेशन के वेयर हाउस में पहुंच गया। कॉर्पोरेशन ने अस्पतालों की डिमांड के हिसाब से वैक्सीन सप्लाई की। भास्कर ने जानकारी जुटाई तो पता चला कि जुलाई से अब तक पूरे राज्य में केवल 629 डोज ही इस्तेमाल किए गए। यानी सालभर में औसतन 943 वैक्सीन की ही जरूरत पड़ेगी और दो साल में केवल 1886 वैक्सीन ही उपयोग में लाई जाएगी।

कौन है इसके लिए जिम्मेदार?

सीजीएमएससी: छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के जीएम टेक्निकल स्वागत साहू ने बिना वैरीफिकेशन के पर्चेस आर्डर जारी किए।

डीएचएस (डायरेक्टर हेल्थ सर्विस): डा. कमलप्रीत सिंह ने इतनी बड़ी मात्रा में इन वैक्सीन की मांग की।

सीएमओ और चिकित्सा शिक्षा विभाग: यहां बिना जरूरत के इतनी बड़ी मात्रा में प्रस्ताव भेजे गए।

इसका मतलब ये है कि

या तो | समन्वय का अभाव

ये भी हो सकता है कि निचले स्तर से लेकर ऊपर तक कोई भी जरूरत को ध्यान में नहीं रख रहा है और वैक्सीन के लिए प्रस्ताव भेज रहा है और वो स्वीकृत भी हो गए।

या फिर | बड़े गोलमाल का अंदेशा

वैक्सीन की इतनी बड़ी मात्रा 2 साल बाद बर्बाद हो जाएगी। इसके बाद करोड़ों की वैक्सीन के ऑर्डर जारी करना घपले या घोटाले की आशंका को ताकत देता है।

4 करोड़ की वैक्सीन हो जाएगी एक्सपायर

एंटी टिटनेस वैक्सीन दो साल बाद खराब हो जाएंगी। चूंकि करीब 24,247 इम्यूनोग्लोबूलिन वैक्सीन स्टॉक में बच जाएंगी, इसलिए ये एक्सपायर हो जाएंगी। एक वैक्सीन की कीमत 1650 रुपए है। इस हिसाब से शासन के चार करोड़ रुपए डूब जाएंगे।